

१९. मेरी आनंददायी पाठशाला



बताओ तो

हँसते-खेलते हुए, सीखने वाले कुछ बच्चों के चित्र ऊपर दिए गए हैं ।

- इनमें से कौन-सा चित्र तुम्हें सबसे अधिक पसंद है ?
- वही चित्र सबसे अधिक क्यों पसंद आया ?

हम पाठशाला में सीखने-पढ़ने के लिए आते हैं । सीखते-सीखते हमें बहुत अधिक मित्र-सहेलियाँ मिलती हैं । हम परस्पर सहायता करते हुए पढ़ाई करते हैं । पढ़ाई के साथ-साथ हम खेल भी खेलते हैं । साथ में भोजन या अल्पाहार भी लेते हैं । पाठशाला के स्नेह सम्मेलन वाले कार्यक्रम में सहभागी होते हैं । साथ-साथ सैर के लिए जाते हैं । वर्ग को स्वच्छ रखना और उसे सजाना हमें अच्छा लगता है । ऐसी बहुत-सी बातें हम एक साथ करते रहते हैं । आपस में मिलकर कोई भी काम करने में सच्चा आनंद मिलता है । अपने वर्ग के प्रत्येक लड़की तथा लड़के को विद्यालय में सीखने का आनंद मिलता रहे, इसके लिए हमें और कौन-से अच्छे काम करने चाहिए ?



क्या तुम जानते हो

देखो; मेरे लिए पत्र आया !

यह कहानी रत्नागिरि जिले के कोलवली गाँव की है ।

बच्चों को डाकघर का काम समझाने के लिए शिक्षक उन्हें डाकघर ले गए । वहाँ उन्होंने डाकघर के सभी प्रकार के कामों से बच्चों को परिचित कराया । इस काम का सबको वास्तविक अनुभव करवाने के लिए शिक्षक ने एक मनोरंजक कार्य किया । सभी बच्चों के नाम से उन्होंने एक-एक पत्र भेजा । इन पत्रों में उन विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति, खेल में प्रगति, उनका स्वभाव, पसंद-नापसंद से संबंधित जानकारी दे दी । अपने नामवाला पत्र देखकर बच्चों को बहुत आनंद हुआ । ‘ओ माँ, मेरे लिए पत्र आया !’ ऐसा कहते हुए वे सब लोगों को पत्र दिखाने लगे । उनमें से कुछ बच्चों ने पत्रों के उत्तर भी अपने शिक्षक को दिए । दीपावली के अवसर पर सभी विद्यार्थियों ने एकत्र होकर शिक्षक को ‘शुभकामना’ का पत्र भी भेजा । कुछ दिनों के बाद शिक्षक ने बच्चों को यह सिखाया कि ई-मेल द्वारा पत्र कैसे भेजा जाता है । शिक्षक द्वारा भेजे गए एक पत्र के कारण बच्चों में नवीन उत्साह का संचार हुआ । बच्चों की यह पाठशाला ‘आनंददायी’ पाठशाला बन गई ।



करके देखो



- वर्ग के लड़के-लड़कियों की तीन पैरवाली स्पर्धा करवाएँ ।
- कुछ जोड़ियाँ बिना गिरे, बिना रुके अंत तक क्यों दौड़ सकीं ?
- दौड़ते समय कुछ जोड़ियाँ क्यों गिर गई ?

एक-दूसरे की सहायता द्वारा कोई भी काम सफलतापूर्वक किया जा सकता है । काम करते समय आनंद भी मिलता है । एक-दूसरे की सहायता करने के लिए एक-दूसरे की आवश्यकताओं और अड़चनों को समझना पड़ता है ।

क्या हम अपनी पाठशाला के लड़के-लड़कियों की आवश्यकताओं तथा परेशानियों को जानते हैं ? अपने वर्ग में नवीन प्रवेश लेने वाला कोई लड़का या लड़की होगी । संभव है; उनमें कोई बच्चा माता-पिता से दूर रहकर पढ़ाई कर रहा हो । कोई अपने घर में अपने से अलग भाषा भी बोलता होगा । किसी की सहायता करने वाली दीदी या बड़ा भाई होगा तो किसी के नहीं होंगे । ऐसे और अन्य कुछ विविधताओं के कारण प्रत्येक की आवश्यकताएँ अलग-अलग होती हैं । इन आवश्यकताओं को समझने का प्रयास करना चाहिए ।

पाठशाला में हमारी अलग-अलग लड़कों-लड़कियों से भेंट होती है। हममें से कुछ ऐसे भी हो सकते हैं; जिन्हें दिखाई या सुनाई नहीं पड़ता। कोई सहपाठी या सहेली चलने में असमर्थ हो सकती है। अपने ऐसे मित्र-सहेलियों की आवश्यकताएँ अपने से बिलकुल अलग और विशेष प्रकार की होती हैं। उनके साथ रहकर ही हम उन आवश्यकताओं को समझ सकते हैं।



बताओ तो

- क्या तुम्हारे आस-पास दृष्टिहीन अथवा बहरे बच्चे रहते हैं ?
- क्या वे बच्चे पाठशाला में आते हैं ?
- जब तुम पहली कक्षा में थे, तब तुम्हारे वर्ग में कितनी लड़कियाँ थीं ?
- इस समय तुम्हारे वर्ग में कुल कितने बच्चे हैं ?

पाठशाला में आकर प्रत्येक बच्चे को सीखने का आनंद प्राप्त होना चाहिए। जिन बच्चों को विशेष प्रकार की आवश्यकता पड़ती हो, ऐसे सभी बच्चों को सीखने का अधिकार है। विशेष आवश्यकतावाले बच्चों के अभिभावक अपने बच्चों को हठपूर्वक पाठशाला भेजते हैं। सरकार भी ऐसे बच्चों के लिए विभिन्न योजनाएँ चलाती है। यदि तुम्हारी जानकारी में ऐसे विशेष बच्चे हों तो उनके संबंध में उनके अभिभावकों और शिक्षकों को अवश्य बताएँ। वे भी ऐसे बच्चों को विद्यालय जाने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।



लड़कियों की शिक्षा के लिए सरकार द्वारा बहुत-सी सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई हैं। बहुत-से अभिभावक भी अपनी लड़कियों की पढ़ाई पर विशेष ध्यान देते हैं परंतु कभी-कभी भाई की देखरेख करना, कुएँ से पानी लाना अथवा घर के काम करना जैसे कार्य लड़कियों को सौंपे जाते हैं। इससे उनकी शिक्षा अवरुद्ध हो जाती है अथवा कभी-कभी बंद हो जाती है। इस प्रकार के अथवा अन्य किसी भी कारण से लड़कियों की शिक्षा बंद नहीं होनी चाहिए। लड़कियों को भी शिक्षा का आनंद प्राप्त होना चाहिए।



करके देखो

- तुम्हारी कक्षा या वर्ग के बच्चे अपने घर पर माता-पिता के साथ किस भाषा में बोलते हैं, इसकी जानकारी प्राप्त करो ।

पाठशाला में शिक्षा ग्रहण करने की हमारी भाषा एक होने पर भी घर पर हम अपनी मातृभाषा में बातचीत करते हैं । कुछ लोगों की मातृभाषा गुजराती होगी । कुछ लोगों की मातृभाषा तेलुगु होगी । कुछ लोग घर पर हिंदी भाषा में बोलते होंगे तो कुछ लोग कन्नड़ भाषा में बोलते हैं । हमें अपनी पाठशाला में विभिन्न मातृभाषावाले मित्र मिलते हैं ।

पाठशाला में हम सब लोग गणवेश पहनकर जाते हैं परंतु जिस दिन गणवेश न पहनने की हमें छूट होती है; उस दिन हम अपनी पसंद के कपड़े पहनकर जाते हैं । पूरा वर्ग उस दिन रंग-बिरंगा लगता है । वर्ग में ऐसी विविधता देखकर हमें आनंद आता है । हमारे रीति-रिवाज, भाषा, भोजन की आदतें भिन्न-भिन्न होने पर भी मनुष्य के रूप में हम सब एक ही हैं । एक-दूसरे की विविधता का भी हम सम्मान करते हैं और एक-दूसरे की सहायता करते हैं । इसमें भी एक अलग प्रकार का आनंद प्राप्त होता है । पूरी पाठशाला आनंदमय हो जाती है ।



अब क्या करना चाहिए



पिंटू और पिंगी दोनों को शिशुवर्ग में प्रवेश प्राप्त हुआ है । उन्हें पाठशाला ले जाने के लिए पाठशाला की बस आती है परंतु उन्हें पाठशाला नहीं जाना है । इसलिए वे दोनों रो रहे हैं । पाठशाला क्यों जाना चाहिए; इसे तुम उन दोनों को कैसे समझाकर बताओगे ?



हमने क्या सीखा

- पाठशाला में हमें विभिन्न प्रकार के सहपाठी तथा सहेलियाँ मिलती हैं ।
- पाठशाला द्वारा हमें अपने देश की विविधताओं से परिचय प्राप्त होता है ।
- पाठशाला में सीखने-पढ़ने का आनंद प्रत्येक लड़के-लड़की को मिलना चाहिए ।
- प्रत्येक लड़के-लड़की और विशेष व्यक्ति, सभी को शिक्षा ग्रहण करने का अधिकार है ।
- एक-दूसरे की सहायता करते और दूसरों की सहायता लेते हुए सीखने पर सीखने का आनंद और बढ़ जाता है ।



स्वाध्याय

(अ) दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखो :

- (१) विद्यालय में सीखने-पढ़ने के साथ-साथ हम और कौन-सी बातें सीखते हैं ?
- (२) सीखने-पढ़ने का आनंद किसके द्वारा बढ़ता है ?

(आ) रिक्त स्थानों की पूर्ति करो :

- (१) एक-दूसरे की करने पर कोई भी काम सफलतापूर्वक किया जा सकता है ।
- (२) पाठशाला में सीखने का आनंद प्रत्येक को मिलना चाहिए ।



उपक्रम



- पाठशाला के स्नेह सम्मेलन में विभिन्न वेशभूषा बनाकर सहभागी बनो ।
- 'मुझे पानी दो ।' यह वाक्य विभिन्न मातृभाषावाले विद्यार्थियों की सहायता से उस-उस भाषा में कॉपी में लिखो ।
- तुम्हारे वर्ग में किसी दूसरे स्थान से एक बच्चे ने नवीन प्रवेश लिया है । उसकी पहलेवाली पाठशाला के बारे में जानकारी प्राप्त करो ।



I3C63X